घर के लिए वास्तु टिप्स

Vastu Tips for Residential or Home in Hindi

1. घर में हवा और प्राकृतिक रोशनी की व्यवस्था होनी चाहिए।
2. शयनकक्ष की व्यवस्था इस तरह होनी चाहिए कि सोते समय पांव उत्तर और सर दक्षिण दिशा में हो।

3. टॉयलेट हमेशा पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए।
4. घर में पूजा स्थल बनाना हो तो वह उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। घर में पूजा स्थल तो होना चाहिए लेकिन शिवालय नहीं। आप चाहें तो शिवजी की मूर्ति अवश्य रख सकते हैं।

5. घर के ठीक सामने कोई पेड़, नल या पानी की टंकी नहीं होनी चाहिए। ऐसी चीजों की वजह से घर में सकारात्मक शक्तियों के आगमन में परेशानी आती है।
6. मकान की छत पर बेकार या टूटे-फूटे समान को न रखें। घर की छत को हमेशा साफ रखें।

7. घर के सामने अगर कोई फलदार पेड़ जैसे केला, पपीता या अनार आदि है तो उसे कभी सूखने ना दें, अगर यह सूख रहा है या फल नहीं दे रहा तो घर के जातकों को संतानोत्पत्ति में समस्या या बांझपन से जूझना पड़ सकता है। घर के सामने छोटे फूलदार पौधे लगाना शुभ होता है।

8. घर में बच्चों का कमरा उत्तर- पूर्व दिशा में होना चाहिए। अगर बच्चों के पढ़ने का कमरा अलग है तो वह दक्षिण दिशा में होना चाहिए। पढ़ाई के कमरे में देवी सरस्वती की तस्वीर या मूर्ति लगाई जा सकती है। बच्चों के कमरे की दीवारों का रंग हल्का होना चाहिए।
9. वास्तु शास्त्र के अनुसार खाना खाते समय हमारा मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। ये दिशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।
10. घर में फ्रिज दक्षिण- पूर्व दिशा में रखना शुभ होता है।
11. शयनकक्ष (सोने का कमरा) कभी भी दक्षिण- पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। शयन कक्ष में दर्पण नहीं लगाना चाहिए, यह संबंधों में दरार पैदा कर सकता है। शयनकक्ष या बेडरूम में

लकड़ी के बने पलंग रखने चाहिए।

12. ज्योतिष विद्या के अनुसार सोते समय जातक के पैर दरवाजे की तरफ नहीं होने चाहिए।

13. कभी भी बेडरूम में मंदिर नहीं लगाना चाहिए। लेकिन साज- श्रृंगार का सामान या किसी तरह का वाद्य यंत्र शयनकक्ष में रखा जा सकता है। बेडरूम की दीवारों के लिए सफेद, जामुनी, नीला या गुलाबी रंग बहुत ही अच्छा माना जाता है।

14. झूठे या गंदे बर्तन वॉश बेसिन में रात को नहीं छोड़ने चाहिए। अगर हो सके तो सुबह और शाम के समय भोजन बनाने से पहले किचन (रसोईघर) में धूप- दीप अवश्य दिखाना चाहिए। लेकिन याद रखें किचन में पूजा स्थान बनाना शुभ नहीं होता।

15. बेडरुम में आइने को उत्तर- पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। ध्यान रखें आइना ज्यादा बड़े आकार का ना हो।

16. मकान में भारी सामान दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने चाहिए। हल्के सामान उत्तर,पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में रखे जाने चाहिए। घर में कांटेदार पौधे नहीं लगाने चाहिए। लेकिन फेंगशुई पौधे जैसे मनी प्लांट या बांस लगा सकते हैं।

17. घर में मौजूद किसी भी प्रकार के वास्तु दोष को समाप्त करने के लिए वास्तु दोष निवारक यंत्र का प्रयोग किया जा सकता है। इस यंत्र की स्थापना पंडित या पुरोहित से की करवानी चाहिए। इसके अलावा स्वस्तिक, मुस्लिम संप्रदाय का 786 या ईसाई संप्रदाय के क्रास का चिह्न घर के मुख्य द्वार पर अंकित करने से सभी तरह के वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं।

18. घर में महाभारत या कब्रिस्तान से जुड़ी किसी भी तस्वीर को घर में नहीं लगाना चाहिए। हालांकि कृष्ण लीलाओं जैसे बांसुरी बजाते कृष्ण और राधा का चित्र या यशोदा- कृष्ण की तस्वीर घर में लगाई जा सकती है।

19. घर का मध्य भाग ब्रह्मस्थान कहलाता है। इसे खाली और हमेशा स्वच्छ रखना चाहिए।

20. वास्तु शास्त्र के अनुसार टॉयलेट और बाथरूम अलग-अलग होने चाहिए। यदि स्नानघर व शौचालय एक साथ हैं, तो स्नानघर में एक कांच की कटोरी में साबुत नमक भरकर रखें और हर सप्ताह इसे बदलते रहें। नमक नकारात्मक ऊर्जा का नाश करता है।

21. तिजोरी को शयनकक्ष (सोने का कमरा) के दक्षिण- पश्चिम भाग में रखने से जातक को सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

दुकान के लिए वास्तु टिप्स

1. वास्तु शास्त्र के अनुसार दुकान या शोरुम का मुख्य दरवाजा यदि पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ हो तो यह व्यापार के लिए लाभकारी माना जाता है। यदि पूर्व या उत्तर की ओर द्वारा बनाना सम्भव ना हो तो, दुकान का मुख पश्चिम की तरफ भी किया जा सकता है।
2. दुकान के अंदर बिक्री का सामान रखने के लिए सैल्फ, अलमारियां, शोकेस और कैश काउंटर दक्षिण और पश्चिम दिशा में बनाना अच्छा माना जाता है।

3. दुकान के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में मंदिर या इष्टदेव की फोटो को लगाया जा सकता है। इसके अलावा इस हिस्से में पीने का पानी भी रखा जा सकता है।
4.वास्तु शास्त्र के मुताबिक बिजली के उपकरणों को रखने या स्विच बोर्ड लगाने के लिए दुकान का दक्षिण-पूर्व हिस्सा उचित माना जाता है।

5. दुकान के काउंटर पर खड़े विक्रेता का मुंह पूर्व या उत्तर की ओर और ग्राहक का मुंह दक्षिण या पश्चिम की ओर होना बेहतर माना जाता है।
6. वास्तु शास्त्र के अनुसार शोरुम या दुकान का कैशबाक्स हमेशा दक्षिण और पश्चिम दीवार के सहारे होना उपयुक्त माना जाता है।

7. वास्तु शास्त्र के अनुसार दुकान के मालिक या मैनेजर को दुकान के दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए।
8. दुकान में कैश काउंटर, मालिक या मैनेजर के स्थान के ऊपर कोई बीना ना हो तो, यह वास्तु शास्त्र की दृष्टि से अच्छा समझा जाता है।

ऑफिस के लिए वास्तु टिप्सVastu Tips for Office in Hindi

1. वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस का प्रवेश द्वार यानि मेन डोर पूर्व या उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है।
2. ऑफिस का रिसेप्शन काउंटर बाईं तरफ और इंतजार करने का स्थान दाहिनी ओर हो तो वास्तु की दृष्टि में यह बहुत अच्छा माना जाता है।
3. ऑफिस में यदि इंतजार करने या वेटिंग रूम की जगह बनाना कठिन हो तो, आने वाले लोगों के लिए मालिक या अधिकारियों के केबिन के बाहर सौफासेट या कुर्सियों को पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार से सटा कर रखा जा सकता है।
4. वास्तु शास्त्र के मुताबिक ऑफिस के मालिक और सर्वोच्च व्यक्ति का केबिन दक्षिण या पश्चिम भाग में बनाना उचित माना जाता है। इसके अलावा मालिक की कुर्सी का मुंह पूर्व या उत्तर की ओर और आगन्तुकों का मुंह पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर होना भी अच्छा माना जाता है।
5. ऑफिस का भंडारघर (पेन्ट्री) या जहां सारा सामान रखा जाता है वह दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना वास्तु की दृष्टि से अच्छा माना जाता है।
6. ऑफिस का टायलेट उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा के अलावा अन्य किसी भी दिशा में बनाया जा सकता है।
7. ऑफिस के एकाउन्टेन्ट या कैशियर को उत्तर की ओर तथा बाहर काम करने वाले सेल्समैन, निरीक्षक को उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बैठाना चाहिए।
8. वास्तु शास्त्र के मुताबिक ऑफिस का द्वार किसी अन्य ऑफिस के सामने, कैन्टीन या टेलीफोन बूथ के पास होना शुभ नहीं माना जाता है।

प्लॉट के लिए वास्तु नियम

प्लॉट के लिए वास्तु टिप्स (Vastu tips for plot) वास्तु शास्त्र के अनुसार प्लॉट खरीदते या बनवाते समय दो मुख्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है, प्लॉट का सही आकार और सही दिशा। प्लॉट में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा, प्लॉट की मिट्टी, दिशा, स्थिति व आकार तय करती है। रेत व उसके आस- पास के छोटे- छोटे कण जातक के जीवन में शांति या अशांति लाते हैं।

1. श्मशान या कूड़ा- करकट रखने वाली जगह पर कभी मकान नहीं बनाना चाहिए। प्लॉट लेते समय यह अवश्य जान लेना चाहिए कि कहीं उस खाली जमीन पर पहले कुछ गलत तो नहीं हुआ।

2. गली के कोने या नुक्कड़ पर घर नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि ऐसी जगह चहल- पहल होती रहती है, जिसके वजह से घर की शांति भंग हो सकती है। लेकिन ऐसे प्लॉट दुकान या घरेलू व्यवसाय के लिए बहुत ही शुभ माने गए हैं।

3. यदि किसी प्लॉट पर कांटेदार पेड़ हो उस जमीन पर घर नहीं बनाना चाहिए।

4. प्लॉट खरीदते समय मिट्टी की किस्म, जमीन का ढलान, आसपास के क्षेत्र आदि का भी ध्यान देना चाहिए। किसी अच्छे ज्योतिष या पंडित से सलाह लेने के बाद ही वहां घर बनाना चाहिए।

5. मान्यता है कि घर के पास अगर मंदिर, मस्जिद या अन्य पूजा स्थल हो तो यह बहुत ही शुभ होता है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह गलत हैं। मंदिर, मस्जिद या अन्य पूजा स्थल के आस- पास से लगे घरों में कभी शांति और सुख नहीं रहता।

6. प्लॉट के दक्षिण भाग में किसी तरह का जलस्त्रोत जैसे नदी, नाला या हेंडपंप आदि नहीं होने चाहिए।

7. विद्वानों, दार्शनिकों, पुजारियों, प्रोफेसरों, शिक्षकों आदि के लिए पूर्व दिशा में मुख वाला प्लॉट शुभ होता है।

8. राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी या सरकारी कर्मचारी को उत्तर दिशा में मुख वाला प्लॉट खरीदना चाहिए।

9. बिज़नस मैन को दक्षिण मुखी प्लॉट लेना चाहिए, यह जातक के बिज़नस को सफल बनाता है।

10. सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए पश्चिम मुखी प्लॉट शुभ होती है। यह जातक के सम्मान को बढ़ाता है।

11. ज्योतिष विद्या के अनुसार विदेशियों या मानसिक रोगी से प्लॉट नहीं खरीदना चाहिए। उपजाऊ या हरा- भरा प्लॉट खरीदना बहुत ही शुभ होता है।

12. प्लॉट के पास किसी नदी से पश्चिम से पूर्व दिशा में पानी बहना या उत्तर की ओर में कोई नदी या नहर का होना बहुत ही शुभ माना जाता है।
13. यदि किसी प्लॉट के दक्षिण दिशा में नदी या नहर बहती है तो ऐसे प्लॉट खरीदने से परहेज करना चाहिए।
14. किसी पहाड़ी या टीले के दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण- पश्चिम दिशा में प्लॉट खरीदना बहुत ही शुभ होता है।

पूजा घर के लिए वास्तु टिप्स

हिन्दू धर्म पूर्णत: आस्था पर केन्द्रित माना जाता है। अमूमन हर हिन्दू घर में पूजा-पाठ करने का एक स्थान अवश्य होता है। लेकिन घर में मंदिर या पूजा-पाठ के लिए स्थान बनवाते समय जाने-अनजाने और अज्ञान के अभाव में कई बार लोगों से छोटी-मोटी गलतियां हो जाती हैं। घर के पूजा-स्थल में देवी- देवताओं की मूर्ति स्थापित करते समय कई सावधानियां बरतनी चाहिए। आइए जानें वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा घर के वास्तु टिप्स :

पूजा घर के लिए वस्तु टिप्स (Vastu Tips for Mandir)

1. पूजा घर को ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करने से ज्ञान की वृद्धि तथा आत्मा की शुद्धि होती है।
2. गणेश जी की स्थापना कभी पूर्व या पश्चिम दिशा में नहीं करनी चाहिए। गणेश जी का मुख सदैव उत्तर दिशा की तरफ रखना चाहिए। गणेश जी की स्थापना के लिए सही दिशा दक्षिण है।
3. पूजा घर में देवी- देवताओं की प्रतिमा या चित्र पूर्व या उत्तर दिशा की ओर दीवार के पास रखनी चाहिए।
4. शयन कक्ष (सोने वाला कमरा) में देवी- देवताओं की मूर्ति, तथा दक्षिण दिशा में पूजा घर स्थापित नहीं करना चाहिए।
5. पूजा घर को शौचालय या स्नानघर के ऊपर- नीचे या आस- पास नहीं बनाना चाहिए।
6. पूजा घर में पूजा का समान पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर रखना चाहिए।
7. पूजा के कमरे में दीपक रखने की जगह, हवन कुंड या यज्ञवेदी दक्षिण- पूर्व दिशा में होनी चाहिए।
8. पूजा घर में मंदिर को इस तरह से व्यवस्थित करना चाहिए कि जातक का मुख दक्षिण दिशा की ओर न हो।
9. पूजा घर के दरवाजे, दो पल्ले वाले होने चाहिए।
10. पूजा घर के अंदर कोई भी खंडित (टूटी-फूटी) मूर्ति या तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। मूर्तियों का आकार भी कम से कम होना चाहिए।
11. हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को उत्तर दिशा में स्थापित करना चाहिए जिससे उनकी दृष्टि दक्षिण दिशा में रहें।
12. घर के अंदर शिवालय बनाना वर्जित माना गया है, लेकिन आप अन्य देवी-देवताओं के साथ भगवान शिव की तस्वीर या मूर्ति अवश्य रख सकते हैं।

13. सफाई करते समय अगर मंदिर या पूजा स्थल से कोई सामान हटाना हो तो उसे नदी या जल में प्रवाहित कर दें, ऐसी वस्तुओं को घर में दोबारा कहीं और ना रखें।
14. घरों में मंदिर को पूर्व दिशा में होना चाहिए और सोते समय जातक के पांव मंदिर की तरफ नहीं होने चाहिए।

किचन के लिए वास्तु टिप्स

Vastu Tips for Kitchen in Hindi

- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर का किचन दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना सर्वोत्तम माना जाता है। यदि ऐसा ना हो सके तो किचन को पूर्व दिशा में भी बनाया जा सकता है।
- दक्षिण-पश्चिम दिशा या उत्तर-पश्चिम दिशा में किचन बनाना वास्तुशास्त्र की दृष्टी से अच्छा नही माना जाता है।
- किचन में खाना बानाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण जैसे- स्टोव, चूल्हा, बर्नर या ओवन आदि पूर्व दिशा में होना चाहिए।
- घर में भोजन पकाने का स्थान (प्लेटफार्म)पूर्व दिशा में दीवार के सहारे बनाना चाहिए ताकि खाना बनाते समय, खाना बनाने वाले का मुख पूर्व की ओर हो। यह वास्तुशास्त्र के अनुसार अच्छा माना जाता है।
- किंचन में पीने का पानी, नल की टोटी एवं वाश- बेसिन उत्तर-पूर्व दिशा में और फ्रिज पश्चिम दिशा में रखना उचित होता है।
- घर में किचन का मुख्य द्वार भोजन बनाने वाली के ठीक पीछे नहीं होना चाहिए यह वास्तुशास्त्र की दृष्टी से उत्तम नही होता है।
- किंचन में चूल्हे (गैस) एवं पानी रखने के स्थान के बीच उचित दूरी रखें तथा किंचन में टूटे-फूटे बर्तन ना रखें।
- किंचन से थोड़ी दूरी पर ही डाईनिंग टेबल रखा जाता है जहां घर के सभी लोग भोजन करते हैं। डाईनिंग टेबल टेबर गोल या अंडे के अकार का नही होना चाहिए।
- यदि घर में अलग से डाईनिंग रुम बनाना है तो इसे वास्तुशास्त्र के अनुसार यह पश्चिम दिशा में होना चाहिए।
- डाईनिंग रुम का प्रवेश द्वार दक्षिण दिशा की तरह कभी भी नही रखना चाहिए, यह वास्तुशास्त्र की दृष्टि से अच्छा नही माना जाता है।-

बेडरूम के लिए वास्तु टिप्स

वास्तुशास्त्र आधुनिक युग में घर के निर्माण के समय बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। माना जाता है कि यदि वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनवाया जाए तो, यह दुख, दरिद्रता बीमारियां आदि से हमें दूर रखता है। बेडरूम यदि वास्तुशास्त्र के अनुसार हो तो घर में शांति और खुशहाली रहती है। घर में बेडरूम बनवाते समय वास्तु कुछ इस प्रकार होना चाहिए।

1. वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में बड़े-बुढ़ो(मुखिया) का बेडरूम दक्षिण दिशा में और युवाओं का बेडरूम उत्तर- पश्चिम दिशा या उत्तर में होना चाहिए।
2. घर में बेडरूम का उत्तर-पूर्व दिशा और दक्षिण पूर्व दिशा में होना वास्तुशासत्र की दृष्टि में अच्छा नही माना जाता है।
3. घर यदि दो मंजिला या उससे अधिक हो तो, मकान की पहली मंजिल पर बड़े-बुढ़ो(मुखिया) का बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनया जा सकता है।
4. वास्तुशास्त्र के मुताबिक बेडरूम हमेशा खुला और हवादार होना चाहिए जो हमेशा मन को शांति दे।
5. बेडरूम में बैड हमेशा इस तरह रखा जाना चाहिए ताकि सोने वाले का सिर उत्तर दिशा और पैर दक्षिण दिशा की तरफ न हो, क्योंकि दक्षिण दिशा में पैर फैलाना वास्तुशास्त्र की दृष्टि में अच्छा नही होता है।
6. वास्तुशास्त्र के अनुसार बेडरूम में रखे बैड का सिरहाना पूर्व या दक्षिण दिशा की तरफ रखना अच्छा माना जाता है।
7. बेडरूम का द्वार कभी भी दक्षिण दिशा की तरफ नही होना उचित नही माना जाता है।
8. बेडरूम में कभी भी मंदिर या पूजा स्थान नहीं रखना चाहिए यह वास्तुशासत्र की दृष्टी से अच्छा नही माना जाता है।
9. बेडरूम के साथ यदि बाथरुम जोड़ना हो तो बेडरूम को उत्तर या पश्चिम भाग में बनाना उत्तम माना जाता है।
10. वास्तुशास्त्र के मुताबिक बेडरूम में बैड के ऊपर छत्त का बीम या मोटी पट्टी नहीं होनी चाहिए।

शौचालय के लिए वास्तु टिप्स

Vastu Tips for Toilet in Hindi

आधुनिक युग में सभी लोग घर बनाते समय वास्तु का पूरा ध्यान रखते है। माना जाता है कि यदि घर में हर चीज वास्तु शास्त्र के अनुसार हो तो खुशहाली आती है और वास्तु के अनुसार न हो तो घर में दुख तथा अनिद्रा, पेट दर्द, डायबटीज़, ब्लडप्रेशर जैसी गंभीर बिमारियों का वास होता है। आज के युग में वास्तु शास्त्र में महिलाएं अधिक रुचि रखती हैं। इसलिए घर को परेशानियों और बिमारियों से दूर रखने के लिए, शौचालय बनाते समय वास्तु शास्त्र का पूरा ध्यान रखें।

- वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में शौचालय बनाने के लिए सबसे उत्तम स्थान दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण दिशा है।
- संग्लन शौचालय या शौचालय का गटर घर के उत्तर या पश्चिम दिशा में बनाया जा सकता है।
- वास्तु शास्त्र की दृष्टि से भवन के मध्य में, दक्षिण-पूर्व दिशा या उत्तर-पूर्व दिशा में शौचालय बनाना सही नही माना जाता है।
- शौचालय या बाथरूम का द्वार और खिड़कियां दक्षिण दिशा को छोड़कर अन्य किसी भी दिशा में बनाया जा सकता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार बेसिन ऐसे लगाया जाना चाहिए, ताकि शौच के समय व्यक्ति का मुहं पूर्व दिशा की तरफ न हो।
- शौचालय या बाथरूम में नल उत्तर-पूर्व दिशा या पश्चिम दिशा में रखना उचित माना जाता है।
- घर में शौचालय या बाथरूम कभी भी सीढ़ियों के नीचे बनाना वास्तु शास्त्र की दृष्टि में अच्छा नहीं माना जाता है।

अस्पताल एवं नर्सिंग होम के लिए वास्तु टिप्स

Vastu Tips for Hospital and Nursing Room and in Hindi

1. वास्तुशास्त्र के अनुसार अस्पताल बनाते समय उसके बाहर का स्थान खुला रखना उचित होता है। आपात स्थिति में ऐसी सुविधा लोगों के लिए फायदेमंद साबित होती है।
2. अस्पताल का प्रवेश द्वार, रिसेप्शन, कैश काउंटर शौचालय, पार्किंग आदि दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाया जा सकता है।
3. अस्पताल का आई.सी.यू. (गहन चिकित्सा कक्ष) उत्तर पश्चिम दिशा में बनाना अच्छा माना जाता है।
4. नर्सिंग होम या अस्पताल का चिकित्सा कक्ष और ऑपरेशन थियेटर पश्चिम दिशा में बनाना उत्तम होता है।
5. वास्तुशास्त्र की दृष्टि से आपातकालीन कक्ष उत्तर पश्चिम दिशा को निकट या उत्तर एवं पूर्व में बनाना अच्छा होता है।
6. वास्तुशास्त्र के मुताबिक अस्पताल के दक्षिण-पश्चिम दिशा में भंडार, रिसर्च यूनिट या लैबोरेटरी बनायी जा सकती है परंतु इस दिशा में कोई वार्ड नहीं बनाना चाहिए।
7. डॉक्टरों के कमरे (ओ.पी.डी.) अस्पताल के पूर्व या उत्तर दिशा में बनाया सही होता है।
8. अस्पताल में मुर्दा घर और पोस्टमार्टम के कमरे को दक्षिण दिशा में बनाया जा सकता है।
9. वास्तुशास्त्र के अनुसार रोगियों के कमरे में रखे जाने वाले बैड का सिरहाना उत्तर दिशा की तरफ नहीं होना चाहिए।
10. एक्सरे मशीन, फिजियो थैरेपी एवं विधुत उपकरण के कमरे हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा या इसके समीप बनाया जाना अच्छा होता है।
11. अस्पताल में रोगियों के कमरे उत्तर- पश्चिम दिशा में होना श्रेष्ठ माना जाता है।
12. अस्पताल में स्टाफ के लोगों के लिए कमरे यदि पश्चिम दिशा में हो तो वास्तु की दृष्टि से अच्छा होता है।

होटल एवं रेस्टोरेन्टVastu Tips for hotel in Hindi

1. होटल एवं रेस्टोरेन्ट बनाने के लिए भूमि का भाग चौकोर और सिंहमुखी हो तो यह वास्तुशास्त्र के अनुसार अच्छा माना जाता है।
2. वास्तुशास्त्र के मुताबिक होटल का निर्माण इस तरीके से किया जाना चाहिए कि, इसकी ऊंचाई दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर अधिक ऊंची हो और उत्तर-पूर्व दिशा की तरफ से इसकी ऊंचाई कम हो।
3. होटल में यात्रियों को ठहरने के लिए बनाए गए कमरे पश्चिम और दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए। कमरे का द्वार पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए।
4. वास्तु नियमों के अनुसार कमरों के अंदर शौचालय, स्नान घर, पलंग टी.वी आदि आवासनिय भवन के शयन कक्ष के अनुरूप होना चाहिए।
5. होटल एवं रेस्टोरेन्ट के किचन दक्षिण पूर्व दिशा में और भोजन कक्ष भूमितल पर दक्षिण या पश्चिम में बनाना उचित माना जाता है।
6. वास्तुशास्त्र की दृष्टि से होटल एवं रेस्टोरेन्ट में खान-पाने का कक्ष या कैफेटेरिया पश्चिम या दक्षिण दिशा में होना चाहिए।
7. होटल का स्वागत कक्ष या रिसेपशन प्रवेशद्वार के नजदीक पश्चिम या दक्षिण में इस प्रकार बनाए जाने चाहिए ताकि स्वागतकर्ता का मुंह उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ हो।